†[**Increase in the prices of cement**

*438. SHRI KALRAJ MISHRA:
SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR:
SHRI HARI SHANKAR BHABHRA:

Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the prices of cement have been increased on account of an increase in wages of workers, and use of oil in place of coal for manufacture of cement; and

(b) whether the consumers are being charged Rs. 2/- or more per bag above the previous rate; and if so, what are the reasons therefor?]

उद्योग मंत्री (श्री जार्ज फर्नांडिज) : (क) और (ख) 7 दिसम्बर, 1978 से साधारण किस्म के पोर्टलैंड सीमेंट का, गन्तव्य स्थान तक रेल भाड़ा मुक्त मूल्य 253.35 रु० प्रति मी० टन से बढ़ा कर 293.26 रु० प्रति मी० टन कर दिया गया है । मूल्य वृद्धि का ब्यौरा निम्नलिखित है :—

	(रु० प्रति मी० टन)
(1) सीमेंट के अतिरिक्त आयात पर लागत के वित्तायन पर	8.00
(2) सीमेंट कर्मचारियों की मजदूरी में वृद्धि करने संबंधी पंचाट निर्णय कार्यान्वित करने की लागत पर	13.38
(3) कोयले के स्थान पर भट्टी के तेल (फर्नेस आयल) के प्रयोग के लिए राजसहायता पर	18.53
योग	39.91

उपर्युक्त वृद्धि से स्थानीय करों तथा अन्य प्रभारों को मिलाकर खुदरा स्तर पर सीमेंट के 50 कि० ग्राम के प्रति बोरे के मूल्य में 2 रु० से कुछ अधिक तक की वृद्धि होगी ।

†[THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI GEORGE FERNANDES): (a) and (b) The F.O.R. destination price of Ordinary Portland Cement was increased from Rs. 253.35 to Rs. 293.26 per tonne from 7th December, 1978. The details of the increase are as under:—

	(Rs. Per tonne)
(*i*) Towards financing the cost of additional import of cement	8·00
(*ii*) Towards the cost of implementation of the Award of Arbitrators relating to wage increase of cement workers	13·38
(*iii*) Towards the subsidy for the use of furnace oil in lieu of coal	18·53
TOTAL	39·91

The above increase will raise the price per bag of 50 Kg. of cement by a little over Rs. 2/- at the retail level after including local taxes and other charges.]

गरीबी के स्तर से नीचे जीवन यापन करने वाले लोगों के रहन-सहन के स्तर को ऊंचा उठाने के संबन्ध में विशेष योजनायें

*439. **श्री हरिशंकर भाभड़ा :**
श्री जगदीश प्रसाद माथुर :
श्री लाखन सिंह :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने देश के ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में गरीबी के स्तर से नीचे जीवन यापन करने वाले लोगों के

† [ ] English translation.